No. of Printed Pages : 2

MVS–005

एम. ए. (वैदिक अध्ययन)

(एम.ए.वी.एस.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

एम.वी.एस.–005 : छन्दस् एवं कल्प

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। निर्देशानुसार ही उत्तर दीजिए। प्रश्नों के उत्तर हिन्दी* ***अथवा*** *अंग्रेजी* ***अथवा*** *संस्कृत में से किसी एक भाषा में दीजिए।*

खण्ड–क

निर्देश : अधोलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। 3×20=60

1. अग्निहोत्र के स्वरूप का विस्तार से वर्णन कीजिए।

2. कल्पशास्त्र का विस्तृत परिचय लिखिए।

3. छन्दसूत्र के चौथे अध्याय की विषय-वस्तु का विस्तार से वर्णन कीजिए।

4. सोमयाग के स्वरूप पर निबंध लिखिए।

5. सिद्ध कीजिए कि विवाह एक धार्मिक संस्कार है।

6. होमविधि का विस्तृत वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 4×10=40

1. छन्दसूत्र के प्रथम अध्याय की विषय-वस्तु का वर्णन कीजिए।

2. पठित अंश के आधार पर किन्हीं **दो** उदाहरणों द्वारा छन्दसूत्र के प्रथम अध्याय का प्रतिपाद्य लिखिए।

3. छन्दसूत्र के तीसरे अध्याय की विषय-वस्तु का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

4. कल्पशास्त्र के प्रवचनकारों का परिचय दीजिए।

5. यज्ञ के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

6. विभिन्न यागों के स्वरूप का विवेचन कीजिए।

7. ब्रह्मचर्य आश्रम के कर्तव्यों का उल्लेख कीजिए।

× × × × × × ×